Regarding ban imposed on export of non-basmati rice-laid

श्री जगदम्बिका पाल **(डुमरियागंज):** मैं सरकार का ध्यान हाल ही में हुए गैर-बासमती चावल के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं । इस प्रतिबंध के कारण काला नमक चावल की निर्यात पर रोक लग गई है । काला नमक चावल उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र के लगभग 20 जिलों में उगाया जाता है । चावल की इस किस्म का इतिहास छटी शताब्दी ईसा पूर्व का तराशती है; इसे भगवान बुद्ध द्वारा श्रावस्ती के लोगों के लिए एक उपहार माना जाता है, जब उन्होंने ज्ञान प्राप्ति के बाद इस क्षेत्र का दौरा किया था । हाल मे इसे उत्तर प्रदेश के "एक जिला, एक उत्पाद" स्कीम के अंतर्गत मेरे लोक सभा क्षेत्र सिद्धार्थनगर के उत्पाद के रूप मे शामिल किया गया है । यह प्रतिबंध ऐसे समय में लगाया गया है जब काला नमक चावल उत्पादन में पिछले 3 साल में तीन गुना वृद्धि देखी गई है । यूपी सरकार के आंकड़े बताते हैं कि इस चावल की अंतर्राष्ट्रीय मांग 2019-20 में 2% से बढ़कर 2021-22 में कुल उत्पादन का लगभग 7% हो गई है । काला नमक चावल की किस्म पारंपरिक रूप से बिना उर्वरक, हर्बिसाइड और कीटनाशक का उपयोग करके उगाई जाती है । यह प्रतिबंध कालानमक चावल उगाने वाले छोटे और सीमांत किसानों को प्रभावित करता है ।